भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
17.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2968 का उत्तर

एटा-कासगंज लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में रेलवे क्रॉसिंग/आरओबी/आरयूबी

2968. श्री देवेश शाक्य:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस तथ्य की जानकारी है कि एटा-कासगंज लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत गंजडुंडवारा, सहावर और सोरों में रेल मार्गों पर भारी यातायात के कारण नागरिकों, विद्यार्थियों और किसानों के सुरक्षित आवागमन हेतु नए गेटेड रेलवे क्रॉसिंग/रेल ओवर ब्रिज (आरओबी)/रेल अंडर ब्रिज (आरयूबी) की तत्काल आवश्यकता है;

(ख) यदि हाँ, तो क्या सरकार ने इन स्थलों पर आवश्यक संरचनाओं के निर्माण हेतु कोई सर्वेक्षण, विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर), स्वीकृति प्रक्रिया आरंभ की है;

(ग) यदि हाँ, तो इसकी वर्तमान प्रगति की स्थिति क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो क्षेत्र की बढ़ती जनसंख्या और दुर्घटना की आशंका को ध्यान में रखते हुए इन महत्वपूर्ण स्थलों पर नए गेटेड रेलवे क्रॉसिंग/आरओबी/आरयूबी के निर्माण हेतु सरकार द्वारा निकट भविष्य में उठाए जाने वाले कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): भारतीय रेल पर ऊपरी/निचले सड़क पुलों के कार्यों की स्वीकृति और निष्पादन एक सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। गाड़ी परिचालन में संरक्षा और गतिशीलता पर उनके प्रभाव तथा सड़क उपयोगकर्ताओं पर पड़ने वाले प्रभाव के आधार पर ऐसे कार्यों की प्राथमिकता निर्धारित करके उन्हें शुरू किया जाता है।

2004-14 की तुलना में 2014-25 (अक्टूबर, 2025) की अवधि के दौरान भारतीय रेल पर निर्मित ऊपरी/निचले सड़क पुलों की संख्या निम्नानुसार है:

अवधि	निर्मित ऊपरी/निचले सड़क पुल
2004-14	4,148 अदद
2014-25 (अक्टूबर, 25)	13,653 अदद

01.11.2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में कुल 4689 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुल को 1,11,583 करोड़ रुपए की लागत पर स्वीकृत किया गया है। उत्तर प्रदेश राज्य में 15,280 करोड़ रुपए लागत वाले ऊपरी/निचले सड़क पुल योजना और क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

उल्लिखित स्थानों पर ऊपरी/निचले सड़क पुल के कार्यों का विवरण निम्नलिखित है:-

क्र. सं.	समपार सं.	स्थान	टिप्पणी
1.	समपार सं. 221/बी (गंज डुण्डवारा)	गंज डुण्डवारा-सहावर खंड पर 213/23-24 कि.मी. पर	इन समपारों पर ऊपरी सड़क पुल के निर्माण के लिए तकनीकी व्यवहार्यता रिपोर्ट/ विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (टीएफआर/डीपीआर) को तैयार करने संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
2.	समपार सं. 232/सी (सहावर)	गंज डुण्डवारा-सहावर खंड पर 226/21-22 कि.मी. पर	
3.	समपार सं. 300/सी (सोरों)	सोरों यार्ड पर 407/12-13 कि.मी. पर	इस समपार पर ऊपरी/निचले सड़क पुल के निर्माण के लिए तकनीकी व्यवहार्यता रिपोर्ट/ विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (टीएफआर/डीपीआर) को तैयार करने संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

इसके अलावा, रेलवे ने कार्य की गति को तेज करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैं:

i. सुचारू निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए सामान्य व्यवस्था आरेख को अंतिम रूप देने से पहले संबंधित राज्य सरकार/सड़क स्वामित्व प्राधिकरण के साथ संयुक्त सर्वेक्षण किया जाता है।

ii. ऊपरी/निचले सड़क पुल कार्यों से संबंधित विभिन्न मुद्दों के समाधान के लिए रेलवे और राज्य सरकार के अधिकारियों की आवधिक बैठकें आयोजित की जाती हैं।

iii. डिजाइन अनुमोदन के दौरान देरी से बचने के लिए रेलवे के हिस्से पर सड़क के फैलाव, तिरछापन और चौड़ाई के विभिन्न संयोजनों के लिए अधिसंरचना रेखाचित्रों का मानकीकरण किया गया है। इसे एक सार-संग्रह के रूप में जारी किया गया है, जिसे रेल लाइनों पर ऊपरी सड़क पुल के शीघ्र नियोजन के लिए सीधे अपनाया जा सकता है।

iv. जहाँ तक संभव हो, रेलवे द्वारा ऊपरी/निचले सड़क पुल कार्यों को एकल निकाय के आधार पर निष्पादित किए जाने की योजना बनाई गई है। यदि कोई सड़क स्वामित्व प्राधिकरण/राज्य सरकार चाहे, तो रेलवे उन्हें एकल निकाय के आधार पर कार्य निष्पादित करने की अनुमति दे सकता है।

किसी भी ऊपरी/निचले सड़क पुल के कार्यों का पूरा होना, पहुंच मार्ग का संरेखण निर्धारित करना, सामान्य आरेखण व्यवस्था (जीएडी) का अनुमोदन, भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण हटाना, अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, परियोजना/कार्य स्थलों के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति, जलवायु संबंधी परिस्थितियों आदि के कारण विशिष्ट परियोजना/क्षेत्र के लिए वर्ष में कार्य करने वाले महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजनाओं/कार्यों के पूरा होने के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

******